

Class 8

Subject: hindi(vasant)

Topic: पाठ -8

प्रश्न 1:

"यह कठिन समय नहीं है?" यह बताने के लिए कविता में कौन-कौन से तर्क प्रस्तुत किए गए हैं? स्पष्ट होगा।

उत्तर:

यह बताने के लिए कवि ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं-

(i) अभी भी पक्षी की चोंच में तिनका दबा है।

(ii) एक हाथ झड़ती हुई पत्ती को थामने के लिए बैठा है।

(iii) अभी भी एक रेलगाड़ी यात्रा तक जाती है।

(iv) कथा का अखिरी हिस्सा बूढ़ी नानी सुना रही है जिसमें अभी भी एक बस अंतरिक्ष के पार की दुनिया से बचे हुए लोगों की खबर लाएगी।

(v) अभी भी कोई किसी को कहता है कि जल्दी आ जाओ, सूरज डूबने का समय हो गया है।

प्रश्न 2:

चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में क्यों है? वह तिनकों का क्या करता है? लिखिए।

उत्तर:

सूरज डूबने ही वाला है और सूरज डूबने से पहले पक्षी अपने लिए घोंसला बनाना चाहता है। इसलिए पक्षी अपनी चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में है।

प्रश्न 3:

कविता में कई बार 'अभी भी' का प्रयोग करके बातें रखी गई हैं, अभी भी का प्रयोग करते हुए तीन वाक्य बनाइए और देखिए उन्हें लगातार, निरंतर, बिना रुके चलनेवाले किसी कार्य का भाव निकल रहा है या नहीं?

उत्तर:

(i) अभी भी सूरज डूबने में समय है।

(ii) कक्षा खत्म होने में अभी भी बहुत समय बाकी है।

(iii) अभी भी मेरा काम खत्म नहीं हुआ है।

ऊपर दिए गए तीनों वाक्यों में कार्य के निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया का भाव है।

प्रश्न 1:

अंतरिक्ष के पार की दुनिया से क्या सचमुच कोई समझौता आता है जिससे लोगों के बाद भी बचे हुए लोगों की खबर मिलती है? आपकी राय में यह झूठ है या सच है? अगर झूठ है तो कविता में ऐसा क्यों लिखा गया है? अनुमान लगाइए यदि सच लगता है तो किसी अंतरिक्ष संबंधी विज्ञान कथा के आधार पर कल्पना करेंगे वह बस कैसा होगा, वे बचे हुए लोग शिक्षा से क्यों घिर गए हैं? इस संदर्भ को लेकर कोई कहानी नहीं बनाई जानी चाहिए।

उत्तर:

प्रस्तुत कविता में कवि ने अपना आशय स्पष्ट करने के लिए कल्पना का सहारा लिया है। अंतरिक्ष के पार की दुनिया की सभी बातें काल्पनिक है। इस प्रकार की कल्पना को फैंटेसी कहते हैं। कविता में फैंटेसी बनाए रखने के उद्देश्य से कवि ने ऐसा लिखा है। दूसरी दुनिया के अस्तित्व को लेकर वैज्ञानिकों के पास भी कोई प्रमाण नहीं है।

प्रश्न 2

घर के बड़े-बूढ़ों द्वारा बच्चों को सुनाई जानेवाली किसी ऐसी कथा की जानकारी प्राप्त की जाएगी जिसके अंतिम हिस्से में कठिन परिस्थितियों से जीतने का संदेश मिलेगा।

उत्तर:

प्रस्तुत कविता में कवि ने अपना आशय स्पष्ट करने के लिए कल्पना का सहारा लिया है। अंतरिक्ष के पार की दुनिया की सभी बातें काल्पनिक है। इस प्रकार की कल्पना को फैंटेसी कहते हैं। कविता में फैंटेसी बनाए रखने के उद्देश्य से कवि ने ऐसा लिखा है। दूसरी दुनिया के अस्तित्व को लेकर वैज्ञानिकों के पास भी कोई प्रमाण नहीं है।

प्रश्न 2:

आप जब भी घर से स्कूल जाते हैं तो कोई आपका इंतजार कर रहा है। सूरज डूबने का समय भी आपको खेल के मैदान से घर लौटते हुए की सूचना देता है कि घर में कोई आपकी प्रतीक्षा कर रहा है- प्रतीक्षा करने वाले व्यक्ति के विषय में आप क्या सोचते हैं? अपने विचार लिखें।

उत्तर:

जब हम घर से स्कूल या शाम को खेलने जाते हैं तो घर पर माँ हमारी प्रतीक्षा करती है। देर हो जाना पर वह परेशान हो जाता है। वह हमें हर प्रकार के कष्टों से बचाना चाहता है।

प्रश्न 4:

"नहीं" और "अभी भी" को एक साथ प्रयोग करके तीन वाक्य लिखिए और देखिए 'नहीं' 'अभी भी' के पीछे कौन-कौन से भाव छिपे हो सकते हैं?

उत्तर:

- (i) नहीं , अभी भी आपका काम अधूरा है।
- (ii) नहीं , अभी भी स्कूल की तलाशियाँ खत्म नहीं हुई है?
- (iii) नहीं , अभी भी आपने खाना नहीं खाया है।
- (iv) इस वर्ष समय पर वर्षा नहीं हुई है, किसान अभी भी बादलों को देख रहा है।

(iv) इस वर्ष समय पर वर्षा नहीं हुई है, किसान अभी भी बादलों को देख रहा है।

अभी भी, निरंतर चलने वाली प्रक्रिया का बोध परिवर्तन है और नहीं से कार्य के न होने का पता चलता है।